पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

NCP अजित गुट की पहली लिस्ट जारी

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 42 ■ अंक : 197 ■ गुरुवार, 24 अक्टूबर 2024 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

/ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

शहर में बदलाव लाने का मौका किसे मिलेगा?

- आयलानी-कालानी की उम्मीदवारी पर सबकी नजर
- एक ही उम्मीदवार ने दाखिल किया फॉर्म
- 29 नवंबर को उम्मीदवारी दाखिल करने की अंतिम तारीख
- कुल 12 फार्म लिए गए

उल्हासनगर। उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र में किसी भी राजनीतिक पक्ष की उम्मीदवारी फाइनल न होने के कारण चुनावी माहौल ठंडा पड़ा हुआ है। जिस कारण इन दो दिनों में केवल एक ही उम्मीदवार मनोज सयानी ने नामांकन पत्र दाखिल किया है जबकि अब तक कुल 12 लोगों ने फॉर्म लिए हुए हैं। ज्ञात हो कि बुधवार 20 नवंबर 2024 को होने वाले चुनाव के लिए 22 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक नामांकन पत्र भरने की तारीख हैं। लेकिन अब तक भाजपा व राकांपा ने उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र से अपने उम्मीदवार घोषित नहीं किए हैं। पुलिस व प्रशासन की चुनाव को लेकर जोरदार तैयारी चल रही है। ऐसा समझा जा रहा है कि आज कल में प्रमुख उम्मीदवारों की घोषणा हो जाएगी।

उल्हासनगर 141 विधानसभा क्षेत्र के लिए महायुति की तरफ से भाजपा के वर्तमान विधायक कुमार आयलानी को ही टिकट मिलने की पूरी संभावना है जिसकी घोषणा आज हो सकती है। वहीं उनके समक्ष महाविकास आघाड़ी से राकांपा शरद पवार गुट से ओमी कालानी के नाम की घोषणा भी 1-2 में हो सकती है। लेकिन राकांपा शरद पवार गुट टिकट ओमी कालानी को देंगे अथवा पंचम कालानी को इस पर संशय बरकरार है क्योंकि कालानी अंत समय में उम्मीदवार बदल सकते हैं। राकांपा अजित पवार गुट से भारत राजवानी गंगोत्री भी अपक्ष के रूप से फार्म भरने की तैयारी कर रहे हैं। एक मात्र राजनीतिक पक्ष वंचित बहुजन आघाड़ी के घोषित उम्मीदवार संजय गुप्ता कब फॉर्म भरेंगे यह तय नहीं है। आरपीआय के पूर्व जिलाध्यक्ष भगवान भालेराव भी चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं। ऐसे में कौन एबी फॉर्म के साथ चुनाव लड़ रहा है और कौन अपक्ष यह कुछ दिनों में साफ हो जाएगा। फिलहाल चुनावी माहौल ठंडा है और सभी उम्मीदवारी घोषित होने की राह देख रहे हैं।

अंबरनाथ में भाजपा की ओर से भी लिया गया नामांकन पत्र

दूसरे दिन 4 लोगों ने 8 नामांकन फार्म खरीदे

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ विधानसभा से महायुति शिवसेना शिंदे एवं भारतीय जनता पक्ष की ओर से बुधवार शाम तक घोषणा नहीं हुई है. शिवसेना शिंदे की ओर से भी घोषणा नहीं की गई है. बुधवार को नामांकन पत्र फार्म लेने के दूसरे दिन भाजपा की ओर से भी एक नामांकन फार्म मंजू धल के नाम से लिया गया है. उन्होंने कुल 2 नामांकन फार्म बुधवार को तहसील कार्यालय में जाकर लिया है.

विदित हो कि कुछ ही दिन पूर्व भाजपा प्रदेश सचिव गुलाबराव करंजुले एवं अभिजीत करंजुले ने एक पत्रकार परिषद में कहा था कि भाजपा से भी 4-5 लोगों ने अंबरनाथ विधानसभा से उम्मीदवारी के इच्छुक हैं. उस समय भाजपा के खानजी धल ने कहा था कि महायुति ने जिस किसी भी पक्ष को उम्मीदवारी दी तो वह उनके लिए कार्य करेंगे. बुधवार को कुल 4 लोगों ने 8 नामांकन फार्म लिए हैं. पीपल्स पार्टी आफ इंडिया की तरफ से तीन फार्म उल्हासनगर-4 निवासी संतोष श्रावण थोरात ने लिया है. दो दिनों में कुल 13 लोगों ने 23 नामांकन फार्म खरीदे हैं.

अंबरनाथ में शिवसेना उबाठा से वानखेडे को मिली उम्मीदवारी

अंबरनाथ विधानसभा क्षेत्र से महाविकास आघाड़ी से शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे से राजेश वानखेडे को उम्मीदवारी दे दी गई है। ज्ञात हो कि पिछले चुनाव में शिवसेना के किणीकर को वानखेडे ने कड़ी टक्कर दी थी।

अंबरनाथ में जमीन विवाद के चलते हत्या

- 12 घंटे में हत्या के दोनों आरोपी गिरफ्तार
- चाकू मारकर की निर्मम हत्या

अंबरनाथ. अंबरनाथ क्षेत्र में जमीन विवाद को लेकर हुई हत्या ने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया है. शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत दुर्गादेवी पाड़ा में रहने वाले बांधकाम व्यवसायी 53 वर्षीय संजय श्रीराम पाटिल की धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी गई। यह घटना मंगलवार रात 10 बजे के आसपास हुई. घटना अंबरनाथ पूर्व में शिव मंदिर की ओर जाने वाली सड़क के किनारे फुटपाथ पर हुई। ज्ञात हो कि संजय पाटिल ने 19 साल पहले शांताराम पाटिल से एमआईडीसी, अंबरनाथ पूर्व में लगभग पांच एकड़ जमीन खरीदी थी। शांताराम पाटिल ने उक्त ज़मीन अन्य लोगों को बेच दी थी, इसलिए ज़मीन के स्वामित्व को लेकर विवाद था। इस विवाद के कारण विलास पाटिल, सूरज विलास पाटिल और हर्ष सुनील पाटिल (सभी दुर्गा देवीपाड़ा, अंबरनाथ पूर्व) के बीच तनाव बढ़ गया। आखिरकार विवाद को गंभीर रूप लेते हुए सूरज पाटिल और हर्ष पाटिल ने मंगलवार की रात संजय पाटिल पर धारदार हथियार से उसके पेट, छाती, पीठ और पसलियों के नीचे चाकू मारकर हत्या कर दी गई। उनके शरीर पर 25 से अधिक वार लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया. इस मामले में अंबरनाथ शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया. अपराध की जांच के लिए पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे के मार्गदर्शन में तुरंत तीन अलग-अलग टीमों को तैनात किया गया। पूछताछ, तकनीकी विश्लेषण और आरोपियों के दोस्तों और रिश्तेदारों की गुप्त जानकारी के आधार पर सूरज पाटिल और हर्ष पाटिल को अंबरनाथ पश्चिम से हिरासत में लिया गया। करीब 12 घंटे में हुए इस सफल ऑपरेशन का श्रेय ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे, संयुक्त पुलिस आयुक्त ज्ञानेश्वर चव्हाण, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त संजय जाधव, पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे और सहायक पुलिस आयुक्त सुरेश वराडे को जाता है। साथ ही, शिवाजीनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रमेश पाटिल और अपराध शाखा पुलिस निरीक्षक तुकाराम पदीर के नेतृत्व वाली टीम ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि को अंजाम दिया।

उल्हासनगर 141 विधानसभा से चुनाव लड़ूंगा -भारत गंगोत्री

- उल्हासनगर-1, 2,3, म्हारल, वरप व कांबा क्षेत्र होगी टक्कर
- राकांपा की समीक्षा बैठक में निर्णय
- टिकट नहीं मिली तो अपक्ष मैदान में उतरेंगे गंगोत्री

उल्हासनगर. उल्हासनगर राकांपा अजित पवार गुट के जिलाध्यक्ष भारत राजवानी गंगोत्री की अध्यक्षता में कल पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की विशेष बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में उल्हासनगर 141 विधानसभा क्षेत्र जिसमें उल्हासनगर-1, 2,3, म्हारल, वरप व कांबा क्षेत्र का समावेश है वहां से भारत गंगोत्री को राकांपा की उम्मीदवारी देने की मांग की गई। कार्यकर्ताओं ने यहां तक कहा कि अगर पक्ष टिकट नहीं दे रहा तो अपक्ष मैदान में उतरने की आवश्यकता है। इस बैठक में सैकड़ों की संख्या में महिलाओं व सभी समाज के लोग उपस्थित हुए। राकांपा प्रदेश सचिव सोनिया धामी ने कहा कि उल्हासनगर विधानसभा क्षेत्र से गुंडागर्दी हटाने के लिए और शहर को विकास की ओर लेन जाने के लिए भारत राजवानी साफ सुथरी छवि के विकल्प बनकर आए हैं। वहीं राकांपा जिलाध्यक्ष भारत गंगोत्री ने कहा कि चुनाव से पूर्व जो राजनीति व सरकारी तौर पर सर्वे किया जाता है कि उसमें भाजपा के वर्तमान विधायक कुमार आयलानी और कालानी के प्रति लोगों की नाराजगी देखने को मिली है। इसलिए सभी कार्यकर्ताओं की मांग पर मैं उल्हासनगर 141 विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने जा रहा है। एक-दो दिनों में मैं अपक्ष के रूप में अपना नामांकन पत्र भी दाखिल करूंगा ऐसी जानकारी उन्होंने दी है।

महानगरपालिका क्षेत्र में मतदान प्रतिशत बढ़ाएं

- जनजागृति के लिए प्राधानाध्यापकों के साथ मीटिंग

उल्हासनगर. अपर आयुक्त गवास के निर्देश 21 अक्टूबर को दोपहर ठीक 1 बजे स्वीप नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त आयुक्त गवस ने स्वीप ग्रुप के स्टैंडिंग कमेटी हॉल में अध्यक्षता की. सभी स्वीप कमेटी के सदस्य सीएचएम, एसएसटी, आरकेटी, वेदांत कॉलेज के संबंधित शिक्षक, प्रशासन अधिकारी, सहायक आयुक्त चुनाव, निःशक्तता विभाग के प्रमुख, एनयूएलएम विभाग के प्रमुख, जनसंपर्क पदाधिकारी व अन्य के साथ बैठक की गयी.

उक्त बैठक में नोडल अधिकारी एवं अपर आयुक्त श्री गवास साहब ने निर्देशित किया कि सभी सदस्य चुनाव जागरूकता हेतु गतिविधियों की योजना बनाकर तथा तद्नुसार अधिक से अधिक प्रभावी गतिविधियों को क्रियान्वित कर नगर निगम क्षेत्र में मतदान प्रतिशत को बढ़ायें।

शिवसेना शिंदे की पहली सूची में बालाजी किणीकर का नाम नहीं

- अंबरनाथ में वायरल फोटो का खुलासा वालेकर जल्द करेंगे

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ के तीन बार के विधायक डॉ. बालाजी किणीकर का शिवसेना शिंदे की पहली सूची में अंबरनाथ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से उम्मीदवार के नाम के घोषणा नहीं किए जाने से शहर में इस बात की चर्चा हो रही है कि किणीकर, वालेकर के आपसी विवाद के कारण किणीकर के नाम की घोषणा नहीं की गई है. विवाद मिटने के बाद ही नाम की घोषणा की जाएगी. इस दरम्यान विधायक किणीकर के स्वयं सचिव द्वारा एक फोटो वायरल किया गया है. इस फोटो में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ गोपाल लांडगे, राजेंद्र चौधरी एवं अरविंद वालेकर, उनके बाजू में किणीकर और राजेंद्र वालेकर दिखाई दे रहे हैं. फोटो के नीचे कैप्शन लिखा है कि आज हमने महाराष्ट्र के लाडले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से भेंट की और अंबरनाथ के विकास के बारे में सकारात्मक चर्चा की. उस समय उपरोक्त नेता उपस्थित थे. पत्रकारों में एवं शहर में ये चर्चा होने लगी कि किणीकर और वालेकर को बुलाकर मुख्यमंत्री ने सुलह करा दी है. इस बात की सच्चाई जानने के लिए हमने शिवसेना शहर प्रमुख अरविंद वालेकर को फोन किया तो उन्होंने हमें बताया कि इस बारे में मैं रात में पत्रकार परिषद लेकर खुलासा करने वाला हूं क्योंकि फोटो के साथ में जो कैप्शन दिया गया है, उसमें कोई खुलासा नहीं हो पा रहा है. सच्चाई क्या है, वह मैं पत्रकारों को बताने वाला हूं. अब वालेकर की पत्रकार परिषद में ये खुलासा होगा कि मुख्यमंत्री के सामने क्या बातचीत हुई है. पत्रकार परिषद में वामन म्हात्रे भी उपस्थित रहेंगे.

दुर्लभ हिरण की हत्या; एक गिरफ्तार

अंबरनाथ एमआईडीसी क्षेत्र के जंगल में गोलियों से अवैध शिकार का प्रयास

बदलापुर. बदलापुर वन विभाग ने जंगल में जंगली जानवरों को मारने पर प्रतिबंध के बावजूद, अंबरनाथ एमआईडीसी क्षेत्र में बंदूक के साथ एक दुर्लभ पिसोरा हिरण का शिकार करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

जगदीश वाघ (25) गिरफ्तार युवक का नाम है. पिछले महीने अंबरनाथ आनंदनगर एमआईडीसी क्षेत्र में एक पिसोरा हिरण घायल अवस्था में मिला था. बदलापुर वन विभाग ने तुरंत घायल हिरण को संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान, बोरीवली के वन विभाग अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई. पता चला कि गोली लगने से हिरण जंगल में ऊंची ढलान से नीचे गिर गया. यह पता चला कि उसे शिकार के उद्देश्य से गोली मारी गई थी। इस संबंध में मामला दर्ज होने के बाद उप वन संरक्षक सचिन रेपाल और सहायक वन संरक्षक गणेश सोनटक्के के मार्गदर्शन में जांच के बाद बदलापुर वन परिक्षेत्र अधिकारी संजय धारवणे और वनपाल वैभव वालिम्बे की टीम ने शनिवार को जगदीश वाघ को गिरफ्तार कर लिया।.

वन्यजीव अधिनियम के अनुसार जंगल में किसी भी जंगली जानवर का शिकार करना सख्त वर्जित है। किसी के भी पाए जाने पर वन विभाग के वन अधिनियम के अनुसार सख्त कार्रवाई की गई है और जब जगदीश वाघ से पूछताछ की गई तो उसके मोबाइल फोन में जंगली जानवरों का शिकार करते हुए तस्वीरें मिलीं। इसके साथ ही वन विभाग को उसके अन्य जानवरों का शिकार करते हुए फोटो भी मिले हैं. जगदीश के साथ दो अन्य लोग भी हैं जिनकी तलाश वन विभाग कर रहा है. कोर्ट ने आरोपी को चार दिन की पुलिस हिरासत दी है.

35 फीट से गिरकर मजदूर की मौत

- सेंचुरी केमिकल कंपनी में हादसा

उल्हासनगर. शहाड के निकट सेंचुरी केमिकल कंपनी में एक दुर्घटना में एक श्रमिक की दुर्भाग्यवश मृत्यु हो गई। मृतक कर्मचारी की पहचान राजकुमार पोवार (55) के रूप में हुई है और वह राजस्थान का रहने वाला है। बताया जा रहा है कि हादसा मंगलवार को केमिकल कंपनी के नमक गोदाम में हुआ. घटना के वक्त राजकुमार 30 से 35 फीट की ऊंचाई पर चढ़कर गोदाम तक पहुंच गया था, जहां से गिरने से उसकी मृत्यु हो गई। कंपनी के उपाध्यक्ष श्रीकांत गोरे का कहना है कि कर्मचारी को कोई चोट नहीं आई है. दिल का दौरा पड़ने की आशंका है. फिलहाल कल्याण की महात्मा फुले पुलिस ने शव को पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

सेंचुरी कंपनी के दोनों प्लांट में लगातार हादसे हो रहे हैं. इस घटना से पहले अनिल झा नाम के एक मजदूर की मौत हो गई थी. फिर जनवरी 2023 में पंकज मिश्रा नाम के एक मजदूर का एक्सीडेंट हो गया. दुर्भाग्य से 23 सितंबर को हुए विस्फोट में 4 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई.

सुरक्षा में लापरवाही

सुरक्षा उपकरणों की लापरवाही से हुई इस घटना के लिए कंपनी प्रबंधन जिम्मेदार है. केमिकल प्लांट में काम करने वाले कई मजदूरों का कहना है कि हादसे के बाद प्रबंधन जिम्मेदारी से पीछे हट रहा है और मजदूर यूनियन तमाशबीन की भूमिका निभा रही है.

इस बीच, कंपनी के उपाध्यक्ष श्रीकांत गोरे ने बताया कि कंपनी प्रबंधन ने मृतक के परिवार को अंतिम संस्कार के लिए 50,000 रुपये नकद दिए हैं और शव को राजस्थान में एम्बुलेंस से पैतृक गांव ले जाने के लिए भी कुछ पैसे दिए हैं.

घनश्याम बठिजा हत्याकांड मामले की सुनवाई 25 को

उल्हासनगर। घनश्याम बठिजा व इंदर बठिजा हत्याकांड में पूर्व विधायक पप्पू कालानी कई वर्षों से जेल में कैद थे। इंदर बठिजा हत्याकांड में उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी लेकिन अब मेडिकल ग्राऊंड पर वो करीब 3 वर्षों से जेल से बाहर है। अब घनश्याम बठिजा हत्याकांड की सुनवाई हाईकोर्ट में शुरू होने वाली है। 25 अक्टूबर को इस मामले में माननीय उच्च न्यायालय क्या आदेश देती है इसका इंतजार सबको है।

लोकल से गिरकर महिला की मौत

- अंबरनाथ से कर्जत जा रही थी लोकल
- लोकल में भारी भीड़ के दौरान चढ़ी महिला
- महिला का भीड़ के कारण ट्रेन से हाथ छूटा

अंबरनाथ. अंबरनाथ से कर्जत जा रही लोकल ट्रेन से गिरकर एक महिला यात्री की मौत होने की घटना घटी है.

मंगलवार रात 8 बजे अंबरनाथ स्टेशन से छूटने वाली कर्जत लोकल और अंबरनाथ स्टेशन से निकलने वाली कर्जत लोकल देर से चल रही थी, जिससे अंबरनाथ और बदलापुर रेलवे स्टेशनों के बीच महिला गिर गई और उसकी मौत हो गई शाम 7:35 बजे की यह लोकल 25 मिनट देरी से चल रही थीं। इसलिए इस लोकल में काफी भीड़ थी. अंबरनाथ स्टेशन से कर्जत लोकल से यात्रा कर रही ऋतुजा गणेश जंगम ट्रेन में भीड़ के कारण प्रवेश नहीं कर सकी तभी अंबरनाथ स्टेशन से कुछ ही दूरी पर अंबरनाथ और बदलापुर स्टेशनों के बीच भीड़ के कारण ऋतुजा ट्रैक पर गिर गईं. घायल महिला को उल्हासनगर के सेंट्रल अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. रेलवे पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है.

नशामुक्ति केंद्र में शराब छुड़ाने आए मरीजों की पिटाई

- कल्याण में अनधिकृत नशा मुक्ति केंद्र का अमानवीय चेहरा उजागर

कल्याण. कल्याण तालुका के म्हस्कल गांव में पिछले कई महीनों से इलाइट नशा-मुक्ति केंद्र नामक एक अनधिकृत नशा मुक्ति केंद्र का मामला सामने आया है। ऐसे में पता चला है कि यहां नशे का इलाज कराने आने वाले मरीजों को बेरहमी से पीटकर उनसे हजारों रुपये भी वसूले जाते हैं. ठाणे से शराब छुड़ाने आए 24 साल के युवक की पिटाई के बाद उसके परिवार वालों ने कल्याण पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई. इस संबंध में पुलिस ने नशा मुक्ति केंद्र के तीन लोगों के खिलाफ गंभीर मारपीट और मारपीट का मामला दर्ज कर लिया है और विस्तृत जांच की जा रही है.

कल्याण तालुक के म्हस्कल गांव में इलाइट नशामुक्ति केंद्र है। पिछले कुछ महीनों से इस नशा मुक्ति केंद्र में शराब और अन्य नशीले पदार्थों के आदी लोगों को करीब 15,000 से 20,000 रुपये प्रति माह देकर भर्ती किया जा रहा था और उनका इलाज किया जा रहा था. कल्याण जैसे बड़ी आबादी वाले शहर में, नशा मुक्ति केंद्र अनधिकृत रूप से चलाया जा रहा था और जिला समाज कल्याण विभाग को अंधेरे में रखा जा रहा था। इस केंद्र में ठाणे के कोलशेट इलाके में रहने वाले एक 24 वर्षीय युवक को शराब की लत के कारण उसके परिवार ने पिछले महीने इस नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया था. कुछ दिन पहले जब युवक के परिजन उसे कपड़े देने सेंटर गए तो युवक के पैर और पेट पर कई चोटें दिखीं. जब इस बारे में विस्तार से पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि सेंटर का प्रबंधन और मरीजों की देखभाल करने वाले तीन युवकों ने उन्हें बेरहमी से पीटा है.

जब इस बारे में सेंटर के संबंधित लोगों से पूछताछ की गई तो उन्होंने परिजनों को गोलमोल जवाब दिया. इसके बाद संबंधित युवक को केंद्र से घर लाया गया। इस संबंध में जब जिला समाज कल्याण विभाग से संपर्क किया गया तो जवाब मिला कि मामले की विस्तृत जानकारी ली जा रही है.

तत्काल कार्रवाई की मांग

जब युवक के परिजनों ने पुलिस की मदद से यहां के सीसीटीवी फुटेज की जांच की तो देखा कि नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती मरीजों से न सिर्फ मारपीट की गई, बल्कि उनसे बर्तन धोना, लादी साफ करने जैसे काम भी करवाए गए. इसलिए पीड़ित परिवार पूरे सेंटर पर तुरंत कार्रवाई की मांग कर रहा है. इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला महिला बाल विकास अधिकारी महेंद्र गायकवाड़ ने इस अनाधिकृत केंद्र के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने के लिए जिला समाज कल्याण विभाग को पत्र लिखकर सूचित किया है.

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास संपादकीय

साइबर अटैक का बढ़ा खतरा

आम जनजीवन में बहुत सारे काम और सुविधाओं के मामले में इंटरनेट पर बढ़ती निर्भरता के समांतर इसके बहुस्तरीय जोखिम भी बढ़े हैं। अब इंटरनेट के जरिए किसी सुविधा का उपयोग करने वाला आम उपभोक्ता कब किस ठगी या गंभीर अपराध का शिकार हो जाए, कहा नहीं जा सकता। बैंक खातों के संचालन में बिना किसी वजह के अचानक पैदा की जाने वाली बाधाएं, उसमें जमा पैसों में होने वाली गड़बड़ियों से लेकर अन्य कई तरीके से लोगों के परेशान होने की खबरें आए दिन आती रहती हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसे अनेक मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें किसी देश के सुरक्षा-तंत्र को भी साइबर अपराधियों ने बुरी तरह बाधित कर दिया।

हालत यह है कि बहुत सावधान और इंटरनेट के उपयोग को लेकर जागरूक रहने वाले लोगों को भी अक्सर इस तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ऐसे में साइबर दुनिया के विस्तार के समांतर ही आम लोगों के हक में सुरक्षात्मक उपाय भी किए जाने जरूरी हैं। सही है कि सरकारें ऐसे उपाय करती हैं, लेकिन इंटरनेट के जरिए धोखाधड़ी या 'साइबर अरेस्ट' जैसे बढ़ते मामले बताते हैं कि इस संबंध में व्यापक स्तर पर एक सुरक्षा तंत्र खड़ा करने की जरूरत है।

इंटरनेट के जरिए होने वाले अपराधों का स्वरूप चूंकि अंतरराष्ट्रीय है, इसलिए इसी स्तर पर सुरक्षात्मक उपाय भी किए जाने चाहिए। इस लिहाज से क्वाड में शामिल देशों अमेरिका, भारत, आस्ट्रेलिया और जापान द्वारा एक बार फिर साइबर चुनौती-2024 को जारी रखने की घोषणा महत्त्वपूर्ण है।

इसका उद्देश्य साइबर परिवेशी तंत्र को मजबूत करना और साइबर सुरक्षा को लेकर लोगों को शिक्षित करने के साथ-साथ एक ताकतवर साइबर कार्यबल बनाना भी है।

समूची दुनिया में साइबर तंत्र पर बढ़ती निर्भरता के दौर में इससे दूर रहना बेहद मुश्किल है। मगर इसके उपयोग को लेकर पर्याप्त स्तर तक जागरूकता पैदा नहीं हो सकी है। इसलिए क्वाड देशों ने अगर साइबर सुरक्षा के प्रति अपना सरोकार जाहिर किया है, तो यह अच्छा है। जरूरत है कि साइबर दुनिया में एक ऐसा तंत्र बनाया जाए, जिसमें आम लोग इंटरनेट का उपयोग करते हुए पूरी तरह सुरक्षित महसूस करें।

चीन से सावधान रहने में ही समझदारी

लद्दाख में सीमा विवाद के कारण भारत और चीन के बीच पिछले चार साल से चल रहे सैन्य तनाव की समाप्ति हो रही है। सोमवार को भारतीय पक्ष और मंगलवार को चीनी पक्ष के बयानों से पता चलता है कि लद्दाख के देपसांग और डेमचोक की स्थिति को लेकर अनसुलझे विवाद पर भी भारत और चीन के बीच सहमति हो गई है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी संकेत दिया कि इन दोनों क्षेत्रों में भी दोनों पक्ष अपनी-अपनी सेनाओं को अप्रैल 2020 से पहले की स्थिति पर ले जाने और चीन के नियंत्रण वाले विवादास्पद इलाकों में भारतीय सेना की गश्त पर सहमत हो गए हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि आने वाले कुछ दिनों में इन क्षेत्रों से चीनी सेना की वापसी का काम पूरा हो जाएगा। असल में यह विवाद जून 2020 में गलवन में चीनी सैनिकों द्वारा आपसी सहमति के नियमों को तोड़कर निहत्थे भारतीय सैनिकों पर धोखेबाजी से किए गए हमले से शुरू हुआ था। अचानक हुए इस शर्मनाक चीनी हमले में भारत के 20 जवान बलिदान हो गए थे। हालांकि, भारतीय सेना की त्वरित एवं दमदार जवाबी कार्रवाई में इससे कहीं ज्यादा बड़ी संख्या में चीनी सैनिक भी मारे गए थे, लेकिन चीन की सेना और न ही सरकार ने आज तक अपने मृतक सैनिकों की संख्या सार्वजनिक नहीं की।

गलवन में हिंसक झड़प के बाद दोनों देशों ने जितने बड़े पैमाने पर पूरे लद्दाख में सेनाओं और युद्ध सामग्री की तैनाती की, उसने किसी बड़े युद्ध की आशंका को बढ़ा दिया था। युद्ध के इस खतरे को टालने के लिए पिछले चार वर्षों में दोनों पक्षों के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों, कूटनीतिज्ञों और विदेश मंत्री तक के स्तर पर विचार-विमर्श चल रहा था। कुछ क्षेत्रों में सहमति भी बन चुकी थी, लेकिन देपसांग और डेमचोक पर चीन के अड़ियल रवैये के कारण कोई ठोस हल नहीं निकल पा रहा था। यह सही है कि बीते दो दिन की घोषणाओं ने एशिया की दो बड़ी शक्तियों में बढ़ रहे तनाव और विवाद के ठंडा होने की उम्मीदें बढ़ाई हैं, लेकिन आपसी संधियों और सहमतियों के प्रति चीन के पुराने इतिहास को देखते हुए भारत में विश्लेषकों का एक बड़ा वर्ग यह मानता है कि चीन से बनी सहमति का स्वागत तो करना चाहिए, लेकिन सतर्कता में कोई ढील न दी जाए। यह चेतावनी इसलिए भी अर्थवान है कि चीन सरकार कई बार कुछ तात्कालिक लक्ष्यों को पाने के लिए कुछ बड़े विवादों पर अपनी सहमति तो जता देती है, लेकिन उन लक्ष्यों के पूरा होते ही वह अपने पुराने ढर्रे पर उतर आती है। सीमा पर निगरानी को लेकर सहमति बन जाने संबंधी घोषणा को शंका की दृष्टि से देखने का एक कारण यह भी है कि इस सप्ताह चीन सरकार की नजर रूस में हो रहे ब्रिक्स सम्मेलन की सफलता और उसमें भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की सीधी बातचीत पर भी है।

भारत और चीन के बीच बनी मौजूदा सहमति के कुछ ऐसे अर्थ भी हैं, जो दोनों देशों के रिश्तों में कुछ नए समीकरणों और नए नियमों को रेखांकित करते हैं। 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद यह पहला मौका रहा, जब चीन सरकार को नई दिल्ली में एक नई तरह की सरकार के साथ दो-चार होना पड़ा। छह दशकों की इस अवधि के पहले पांच दशकों में चीन को नई दिल्ली में दब्बू सरकारों और कमजोर नेताओं पर बंदर घुड़कियां चलाने की आदत पड़ चुकी थी। कूटनीति की मेज पर अर्थहीन वार्ताओं में विरोधी को उलझाए रखकर उसे थका देने और अपनी मर्जी के समझौतों पर उससे अंगूठा लगाने पर मजबूर कर देने की उसकी पुरानी चाल को नई दिल्ली ने इस बार नाकाम कर दिया। बार-बार भारतीय सीमाओं से छेड़छाड़ की अभ्यस्त हो चुकी बीजिंग की मौजूदा सरकार को यह देखकर बहुत सदमा लगा कि भारत सरकार और उसकी सेना उसकी बंदर घुड़कियों से डरने के बजाय छाती ठोंककर उसकी हेकड़ी का जवाब दे रही है।

2017 में डोकलाम में भारतीय सेना ने चीन की पीपुल्स रिपब्लिक आर्मी को 72 दिन तक रोके रखने के बाद जिस तरह वापस लौटने पर मजबूर कर दिया था, वह राष्ट्रपति शी चिनफिंग, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी और चीनी सेना के लिए किसी सदमे से कम नहीं था। गलवन के जवाबी हमले और उसके बाद जिस तरह भारत की स्पेशल फ्रंटियर फोर्स ने चीनी सेना पर पूरी आक्रामकता के साथ कैलास चोटियों पर तोपें तान दीं और चीनी कमांडरों को वार्ता की मेज पर आने को मजबूर कर दिया, वह बीजिंग के आकाओं के लिए एक नए भारत से परिचय था।

जहाँ भी जाइए,
वहाँ एकता की
खुश्बू फैलाइए।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

भारतीय सेना अब कर सकेगी निगरानी

जब भी दो देशों के बीच सीमा पर तनाव बना रहता है, तो स्वाभाविक रूप से उनका आर्थिक विकास प्रभावित होता है। इसलिए दुनिया भर में प्रयास किए जाते हैं कि पड़ोसी देशों के साथ तनाव का रिश्ता न रहे। मगर अक्सर वर्चस्ववादी नीतियों के चलते कुछ देशों में परस्पर टकराव बना रहता है। भारत और चीन के बीच भी लंबे समय से रिश्ते इसीलिए मधुर नहीं हो पाते कि चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी की मर्यादा का पालन नहीं करता। वह अपनी विस्तारवादी नीति पर कायम है।

15 जून, 2020 को चीनी सैनिकों ने गलवान घाटी के भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण किया था। दोनों देशों के सैनिकों के बीच टकराव हुआ। उसके बाद चीन ने भारत के हिस्से वाले छह क्षेत्रों में अतिक्रमण कर लिया था। तबसे लगातार वास्तविक नियंत्रण रेखा पर संघर्ष की स्थिति बनी हुई थी। अच्छी बात है कि दोनों देशों के बीच अब अपने सैनिकों को वापस बुलाने और एलएसी पर 2020 से पहले की स्थिति बहाल करने पर सहमति बन गई है। सोमवार को भारत ने इसकी सूचना जारी की थी, अब चीन ने भी इसकी पुष्टि कर दी है। चीन ने कहा है कि वह भारत के साथ मिल कर सीमा संबंधी विवाद का हल निकालने का प्रयास करेगा।

यह अच्छी बात है कि गलवान में हुए सैन्य संघर्ष के बाद भी चीन बिना किसी हील-हुज्जत के हमेशा बातचीत की मेज पर बैठता रहा। तब से सैन्य अधिकारी स्तर की बीस से अधिक बैठकें हो चुकी हैं। इसके अलावा विदेश मंत्रियों के स्तर पर भी बातचीत के कई दौर हो चुके हैं। इन्हीं बैठकों और बातचीत का नतीजा है कि चीन ने भारत के छह में से चार क्षेत्रों

देपसांग, गलवान, हाटस्प्रिंग और पैंगोंग से अपनी सेना हटा ली थी। मगर अभी भी दौलतबेग ओल्डी और डेमचोक में उसका कब्जा बना हुआ था। भारतीय सैनिक उन क्षेत्रों में गश्त करने नहीं जा सकते थे।

ताजा समझौते के अनुसार उन दोनों क्षेत्रों को भी खोल दिया गया है। अब भारतीय सेना अपने तय क्षेत्रों में गश्त कर सकेगी। भारत ने इसे चीन का सकारात्मक रुख बताया है। दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली के लिए उनकी सेनाओं का परस्पर मेलजोल बढ़ना जरूरी है। इस तरह अगर भरोसा बढ़ेगा, तो निश्चय ही सीमा विवाद को सुलझाने की दिशा में भी सकारात्मक कदम उठाना आसान होगा।

हालांकि चीन के किसी भी रुख पर दावे के साथ कुछ कहना मुश्किल होता है। पूर्वी लद्दाख में उसके ताजा सकारात्मक रुख से निस्संदेह भारतीय सेना का तनाव काफी कम होगा, मगर चीन कब अपना रुख बदल ले, कहना मुश्किल है। भारत के पड़ोसी देशों, पाकिस्तान और श्रीलंका में विकास परियोजनाओं के जरिए उसने अपनी मौजूदगी बढ़ाने में काफी हद तक कामयाबी हासिल कर ली है। समय-समय पर वह भारतीय हिस्से वाली जगहों को अपना बता कर उनका नाम बदलता और उन्हें अपने नक्शे में दिखाता रहा है।

सीमा विवाद सुलझाने की जगी उम्मीद

हिंद महासागर में वह अपनी मौजूदगी बनाए रखने और बढ़ाने का लगातार प्रयास करता देखा जाता है। इसलिए उचित ही भारत कोई बड़ा दावा करने से बच रहा है। मगर यह भारत की बड़ी कामयाबी कही जाएगी कि उसने बहुत सावधानी और संयम के साथ चीन को अतिक्रमण वाली जगहों से वापस लौटने को राजी कर लिया। अगर इसी तरह दोनों देश निरंतर और सकारात्मक रुख के साथ प्रयास करते रहें, तो सीमा विवाद को भी सुलझाने की उम्मीद जगती है।

चेन खींचने से क्यों रुक जाती है ट्रेन?

जरा हट के

भारतीय रेल में जिन-जिन लोगों ने भी यात्रा की होगी, उन्होंने अपनी सीट के ऊपर लगी एक चेन को जरूर देखा होगा। पहले तो हर कैबिन में ये चेन दिख जाती थी, पर अब कुछ-कुछ कैबिन में ही दिखती है. इस चेन के पास एक लाइन लिखी होती है, गाड़ी खड़ी करने के लिए जंजीर खींचिए! आपने फिल्मों में एक्टर्स को ट्रेन की ये चेन खींचते देखा होगा. मुमकिन है कि असल में अपनी यात्रा के दौरान भी आपने किसी को, या खुद ही इस चेन को खीचा हो. पर इस चेन को सिर्फ मस्ती के लिए नहीं खींचना चाहिए, क्योंकि तब लोगों को खामियाजा भुगतना पड़ता है. मगर क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर उस चेन में ऐसा क्या होता है कि उसे खींचने से चेन रुख जाती है, और अगर यात्रियों के पास ये सुविधा मौजूद है, तो वो कहीं भी चेन खींचकर ट्रेन से क्यों नहीं उतर जाते?

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कोरा पर अक्सर आम लोग

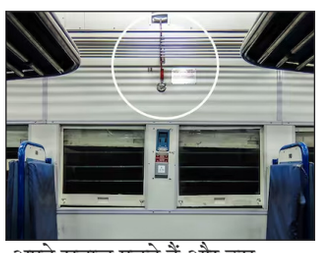

अपने सवाल पूछते हैं और उस क्षेत्र के एक्सपर्ट लोग अगर जवाब देना चाहें तो दे सकते हैं, हालांकि, बहुत बार आम लोग भी जवाब देते हैं. कुछ साल पहले किसी ने कोरा पर सवाल किया कि चेन खींचने पर ट्रेन क्यों रुक जाती है? ट्रेनों में यात्रा करने वाले लोगों के मन में भी ये सवाल आया होगा. बहुत से लोगों ने अपने-अपने हिसाब से इसका उत्तर दिया है.

चेन खींचने से कैसे रुक जाती है ट्रेन?

द हिन्दू वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार ट्रेन के कोच में जो चेन लगी होती है, वो ट्रेन के मुख्य ब्रेक पाइप से जुड़ी होती है. इस पाइप में एब्सल्यूट प्रेशर को बनाकर रखा जाता है. जैसे ही चेन खींची जाती है, ब्रेक एयर पाइप में जो वाल्व है, वो खुल जाता है और हवा रिलीज हो जाती है. इस वजह से ब्रेक में हवा का दबाव कम होने लगता है और इससे ट्रेन धीरे हो जाती है. लोको पायलट हमेशा ही प्रेशर के मीटर को मॉनिटर करता रहता है, उसे प्रेशर में ये बदलाव नजर आ जाता है. इसके बाद वो हॉर्न को 3 बार बजाता है और ट्रेन रोक देता है. ये गार्ड और ट्रेन में मौजूद सिक्योरिटी वालों के लिए सिग्नल होता है कि ट्रेन की चेन को खींचा गया है और इस वजह से ट्रेन रोकी गई है. जब ट्रेन बहुत तेज गति से चलती है तो उसे रुकने में कुछ मिनट लग जाता है, जिससे वो पटरी से न उतर जाए.

ब्रेड से तैयार करें मिठाई

दिवाली के त्योहार पर हर घर में तरह-तरह के पकवान तैयार किए जाते हैं। कुछ लोग तो मिठाईयां भी घर में बनाना पसंद करते हैं। लेकिन त्योहारों पर समय कम होता है ऐसे में कुछ ऐसी चीजों को बनाना पसंद किया जाता है, जो फटाफट बनकर तैयार हो जाएं। मेहमानों के लिए कुछ नया और फटाफट बनने वाली रेसिपी ट्राई करना चाहते हैं तो आप ब्रेड से बनने वाली शाही टुकड़े की रेसिपी ट्राई कर सकते हैं। यह खाने में बड़ी टेस्टी होती है और आसानी से बन भी जाती है। यहां देखिए, ब्रेड से झटपट बनने वाली शाही टुकड़ा की रेसिपी।

सामग्री :

- 4 ब्रेड स्लाइस
- 4 बड़े चम्मच घी
- 5 चम्मच चीनी
- एक चम्मच कटे हुए पिस्ते
- एक चम्मच कटे हुए काजू
- एक चम्मच कटे हुए कप कटे हुए बादाम
- 2 बड़े कप फुल क्रीम दूध
- 1 चम्मच पिसी हुई इलायची
- 1 चुटकी केसर

कैसे बनाएं शाही टुकड़ा :

एक पैन या तवा गर्म करें, फिर ब्रेड स्लाइस को धीमी से मध्यम आंच पर घी डालकर हर तरफ से सेक लें। इसे हल्का भूरा करें और फिर एक तरफ रख दें। चाहें तो आप ब्रेड को डीप फ्राई भी कर सकते हैं। इससे ब्रेड को एक कुरकुरा स्वाद मिल सकती है। इसके अलावा एक तरफ मध्यम-धीमी आंच पर दूध को हल्का उबालकर गाढ़ा कर लें। इसमें चीनी, इलायची पाउडर और केसर भी डाल दें। जब उबल जाए तो इसे पूरी तरह ठंडा होने दें। अब तले हुए ब्रेड के टुकड़ों को एक बर्तन में रखें और फिर दूध के मिक्स को ब्रेड के ऊपर समान रूप से डालें। इसे सजाने के लिए मेवे डालें। इसे पूरी तरह ठंडा होने के लिए कुछ देर फ्रिज में रखें। मेहमानों को सर्व करने के लिए ये बेस्ट मिठाई है। इसे दिवाली पर बनाया जा सकता है।

नींद न आने की समस्या से कई बीमारियों का खतरा

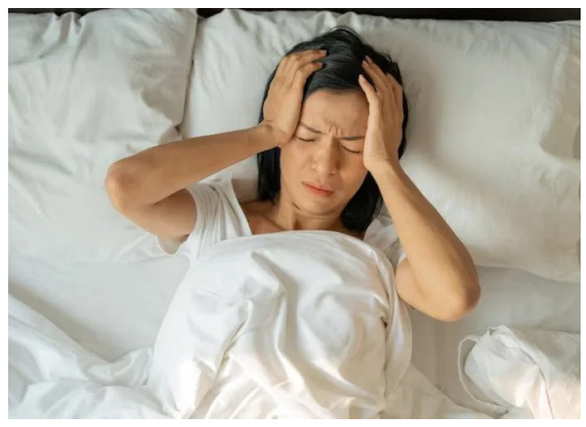

■ अच्छी नींद पाने के लिए क्या करें?

शरीर को स्वस्थ और फिट रखने के लिए अच्छी नींद लेना बहुत आवश्यक माना जाता है। ये मानसिक और शारीरिक दोनों प्रकार की सेहत को ठीक रखने के लिए जरूरी है। डॉक्टर बताते हैं, जिन लोगों की नींद पूरी नहीं होती है उन्हें कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा रहता है।

नींद न आने की समस्या के कई कारण हो सकते हैं। मानसिक तनाव या चिंताएं अक्सर दिमाग को इतना सक्रिय कर देती हैं कि व्यक्ति आराम से सो नहीं पाता। इसके अलावा चाय, कॉफी, सिगरेट और अन्य कैफीनयुक्त पदार्थों का सेवन करने वालों को भी नींद विकारों की दिक्कत हो सकती है। अध्ययनों से पता चलता है कि कुछ प्रकार की क्रोनिक बीमारियों जैसे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, दिल की बीमारियां और मानसिक रोग के शिकार लोगों की भी नींद अक्सर बाधित रहती है।

■ नींद की समस्याओं के कारण

नींद न की समस्या (अनिद्रा) एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति को सोने में कठिनाई होती है या रात में अक्सर उसकी नींद टूट जाती है। नींद की कमी का असर दीर्घकालिक रूप से कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ाने वाली हो सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, नींद की बढ़ती समस्याओं के लिए मोबाइल या कंप्यूटर जैसे स्क्रीन्स का अधिक इस्तेमाल भी माना जा सकता है। इन उपकरणों से निकलने वाली ब्लू लाइट नींद के लिए आवश्यक मेलाटोनिन हार्मोन के उत्पादन को रोकती है। नींद में सुधार के लिए कुछ उपाय मददगार हो सकते हैं।

■ एक ही समय पर रोज सोने की बनाएं आदत

हर दिन एक ही समय पर सोने और जागने की आदत डालें। इससे शरीर का बायोलॉजिकल क्लॉक नियमित होता है, जिससे नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है। इसके अलावा कमरे को नींद के अनुकूल बनाएं। कमरा शांत, अंधेरा वाला और ठंडा होना चाहिए। अनुकूल माहौल में अच्छी नींद मिलती है।

■ स्क्रीन से बनाएं दूरी

सोने से 1-2 घंटे पहले स्मार्टफोन, कंप्यूटर, या टेलीविजन का इस्तेमाल न करें। इन उपकरणों की ब्लू लाइट मेलाटोनिन हार्मोन के स्तर को प्रभावित करती है, जिससे नींद आने में परेशानी होती है। मेलाटोनिन एक प्राकृतिक हार्मोन है जो नींद को नियंत्रित करता है। अनिद्रा के शिकार लोग डॉक्टर से सलाह लेकर इसका सप्लीमेंट ले सकते हैं। अगर नींद की समस्या किसी मानसिक विकार जैसे अवसाद या एंग्जायटी के कारण है, तो इसके लिए मनोचिकित्सक से सलाह लें।

■ नियमित व्यायाम जरूरी

नियमित शारीरिक व्यायाम नींद की गुणवत्ता में सुधार करने में सहायक है। व्यायाम करने से शरीर को थकावट महसूस होती है, जिससे सोने में आसानी होती है। ध्यान रहे कि सोने से पहले व्यायाम न करें, क्योंकि यह शारीरिक उत्तेजना बढ़ा सकता है। ध्यान, गहरी सांस लेने की तकनीक और मांसपेशियों को आराम देने वाली एक्सरसाइज सोने से पहले करने से तनाव कम होता है और नींद में सुधार होता है।

आज का राशिफल

मेष : रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य हो जाने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश लाभदायक रहेगा। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। विवाद से बचें।

वृषभ : व्यय वृद्धि से तनाव रहेगा। किसी व्यक्ति के उकसावे में न आएं। विवाद से बचें। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। व्यापार ठीक चलेगा। आय होगी। विवेक का प्रयोग करें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लंबी यात्रा हो सकती है। लाभ होगा। नए अनुबंध हो सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। प्रशंसा मिलेगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी।

कर्क : आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कोई बड़ा कार्य कर पाएंगे। व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। कार्य पूर्ण होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जोखिम न लें। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

सिंह : तीर्थदर्शन हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण व लाभदायक रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। शेयर मार्केट में जोखिम न लें। नौकरी में चैन रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। ध्यान रखें।

कन्या : वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग से हानि की आशंका है, सावधानी रखें। दूसरों के झगड़ों में हस्तक्षेप न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्षोभ होगा। फालतू की बातों पर ध्यान न दें। जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें।

तुला : शत्रुओं का पराभव होगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। कारोबार से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कोई बड़ा कार्य करने की योजना बन सकती है। कार्यसिद्धि होगी। सुख के साधनों पर व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक : संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। प्रॉपर्टी ब्रोकर्स के लिए सुनहरा मौका साबित हो सकता है। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार में वृद्धि के योग हैं। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। आय में वृद्धि होगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे।

धनु : मेहनत का फल पूरा नहीं मिलेगा। स्वास्थ्य खराब हो सकता है। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन मिल सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पारिवारिक मांगलिक कार्य हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं।

मकर : लेन-देन में सावधानी रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। शोक संदेश मिल सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी के उकसाने में न आएं। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा।

कुंभ : मेहनत सफल रहेगी। बिगड़े काम बनेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी। सामाजिक कार्य करने के अवसर मिलेंगे। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

मीन : पुराने संगी-साथी व रिश्तेदारों से मुलाकात होगी। नए मित्र बनेंगे। अच्छी खबर मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यों में गति आएगी। विवेक का प्रयोग करें। लाभ में वृद्धि होगी। मित्रों के सहयोग से किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

दिवाली की सफाई के लिए अपनाएं कुछ आसान टिप्स

कुछ ही दिनों में दिवाली का त्योहार आने वाला है और इसके लिए अभी से कई लोगों से अपने घरों की सफाई शुरू कर दी है. यहां दिए कुछ आसान टिप्स को फॉलो करना है. तो आइए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से.

■ किचन की सफाई के लिए आसान टिप्स

बता दें, कि जब भी किचन की सफाई शुरू करें, तो इसके लिए पहले से माइंड में प्लान तैयार करें. इससे आपका काम काफी हद तक आसान हो जाएगा. सबसे पहले किचना के सारे सामान को बाहर निकालें और फिर एक-एक करके उनकी सफाई करें.

बाजार में उपलब्ध केमिकल क्लीनर्स की जगह नींबू, सिरका और बेकिंग सोडा जैसे नैचुरल क्लीनर्स का इस्तेमाल करें. ये न केवल प्रभावी होते हैं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी सुरक्षित होते हैं. कई बार किचन में सफाई के दौरान कुछ ऐसे चीजें भी मिलती हैं, जिसका कोई इस्तेमाल नहीं है. ऐसे में इन चीजों को बाहर निकालें और जरूरत की चीजों को उनके स्थान पर रखें.

■ इन जगहों को साफ करना ना भूलें

जब भी किचन की सफाई कर रहें हो, तो फ्रिज की सफाई करना न भूलें. क्योंकि फ्रिज की साफ-सफाई करना बेहद जरूरी है. जब भी फ्रिज की सफाई करें तो उसमें रखी पुरानी और एक्सपायर चीजों को बाहर निकालें और एक अच्छे क्लीनर से फ्रिज के अंदर की सफाई करें. ताकि आप जो भी सामान इस फ्रिज में रखें वो सुरक्षित और साफ रहें. कई बार फ्रिज में फंगस लग जाती है जो हमारे स्वास्थय के लिए नुकसानदायक होते हैं. सफाई के दौरान इस बात पर भी ध्यान दें. कुकिंग गैस और ओवन के आसपास जमा गंदगी को अच्छे से साफ करें. इससे न केवल किचन की सुंदरता बढ़ेगी, बल्कि खाना बनाने में भी आसानी होगी. किचन के फर्श को अच्छे से धोएं और साफ करें. इससे किचन में जमी गंदगी आसानी से निकल जाएगी, और कीटाणुओं का सफाया करने में मदद मिलेगा.

कंबल-रजाई से आ रही है बदबू?

■ ताजगी लाने के लिए करें यह काम

■ नहीं पड़ेगी महंगी ड्राई क्लीनिंग की जरूरत

महीनों बंद पड़े कंबल और रजाई से अक्सर एक अजीब-सी बदबू आने लगती है. खासकर जब उन्हें लंबे समय तक इस्तेमाल नहीं किया जाता है. ऐसे में कई लोग इन्हें इस्तेमाल से पहले एक बार ड्राई क्लीनिंग के लिए भेज देते हैं लेकिन यह काफी महंगा और समय लेने वाला होता है. अगर आप बिना ड्राई क्लीनिंग के अपने कंबल और रजाई से बदबू हटाना चाहते हैं, तो कुछ आसान उपायों की मदद ले सकते हैं. इन टिप्स की मदद से आप अपने कंबल और रजाई को फिर से फ्रेश और क्लीन कर सकते हैं. इस तरह इससे बदबू भी नहीं आएगी.

इस तरह करें साफ-

धूप में रखें: कंबल और रजाई को धूप में कुछ घंटों के लिए फैलाकर रख दें. इससे नमी और दुर्गंध दूर होगी और स्मेल गायब हो जाएगा. कुछ-कुछ घंटे में इन्हें धूप में उलट-पलट करते रहें. जिससे धूप अच्छी तरह इनमें लगे और ये फ्रेश हो जाएं.

बेकिंग सोडा का इस्तेमाल : कंबल या रजाई को किसी सपाट जगह फैला दें. अब इन पर हल्का सा बेकिंग सोडा (Baking Soda) छिड़क दें. कुछ घंटों तक इन्हें ऐसे ही छोड़ दें. अब वैक्यूम क्लीनर से इसे साफ कर दें. बेकिंग सोडा बदबू को सोखने का काम करेगा.

सिरका का उपयोग: पानी में थोड़ा सा सफेद सिरका मिलाकर एक स्प्रे बोतल में भर लें. अब इसे कंबल और रजाई पर अच्छी तरह छिड़क दें. फिर धूप में सूखने के लिए रख दें. सिरका दुर्गंध को खत्म करने का काम करेगा.

फ्रैब्रिक फ्रेशनर का उपयोग: खुशबूदार कंबल के लिए आप बाज़ार में मिलने वाले फैब्रिक फ्रेशनर स्प्रे का इस्तेमाल कर सकते हैं. इसे कंबल और रजाई पर छिड़कें और कुछ देर के लिए खुली हवा में सूखने दें. कंबल रजाई फ्रेश हो जाएगा.

वॉशिंग मशीन में धोएं: अगर बदबू नहीं जा रही और आपका कंबल माइक्रोफाइबर या सिंथेटिक मटेरियल का है तो आप इसे वॉशिंग मशीन में धो लें. आप माइल्ड डिटर्जेंट के साथ इसे मशीन में धो लें. फिर धूप में सूखा लें. इन तरीकों से आप बिना ड्राई क्लीनिंग के अपने कंबल और रजाई को फ्रेश और क्लीन कर लेंगे.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

बुजुर्ग महिला को डिजिटल अरेस्ट कर 32.4 लाख रुपए करा लिए अपने खाते में ट्रांसफर

वाराणसी. वाराणसी में हुकुलगंज स्थित चंद्रा रेजिडेंसी में रहनेवाली कारोबारी परिवार की बुजुर्ग महिला को साइबर ठगों ने डिजिटल अरेस्ट कर 32.40 लाख रुपए ऐंठ लिये। जालसाजों ने जांच अधिकारी बन गिरफ्तारी का डर दिखाया था। जांच के नाम पर रुपये ट्रांसफर करा लिये। भुक्तभोगी नीना कौरा के पति प्रमोद कौरा का निधन हो चुका है। पुलिस के मुताबिक प्रमोद कौरा कारोबारी थे। नीना घर पर अकेली रहती हैं। बेटा परिवार के साथ नागपुर में रहता हैं। बताया कि उन्हें व्हाट्सएप कॉल आई। फोन करने वाले ने अपना नाम सुनील कुमार बताया। खुद को अंधेरी (मुंबई) पुलिस स्टेशन का इंचार्ज बताया। कहा कि आपने कुछ फर्जी पासपोर्ट, एटीएम कार्ड और 140 ग्राम एमडीएमए (मादक पदार्थ) सिंगापुर कोरियर किया है।

झोलाछाप डॉक्टर ने नाबालिग कंपाउंडर से किया रेप

यूपी के कानपुर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां एक झोलाछाप डॉक्टर ने अपनी 17 साल की कंपाउंडर से रेप करता रहा। जब नाबालिग के पेट में दर्द हुआ तो उसे गर्भनिरोधक गोली देने पहुंच गया। परिजनों को शक होने पर उन्होंने किशोरी से पूछा तब उसने डॉक्टर की काली करतूत बताई। इसकी जानकारी होने पर परिजन आरोपी को लेकर थाने पहुंचे और तहरीर दी। ये मामला कर्नलगंज थाना क्षेत्र के फहीमाबाद का है। जहां 50 साल का झोलाछाप डॉक्टर फहीम खान अपनी 17 साल की कंपाउंडर से आए दिन रेप करता था।

करवा चौथ पूजा के बाद ग्राम प्रधान के पति और बेटे ने की फायरिंग, अरेस्ट

लखनऊ. लखनऊ के निगोहां में करवाचौथ का व्रत पूरा होने के बाद ग्राम प्रधान के पति ने छत पर हवाई फायरिंग की। गोली चला रहे ग्राम प्रधान के पति का वीडियो कुछ लोगों ने रिकॉर्ड कर लिया। दावा किया गया कि नाबालिग बेटे से भी फायरिंग कराई गई थी। मंगलवार को फायरिंग का वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने आरोपी को दबोचते हुए लाइसेंस निरस्त करने की रिपोर्ट भेजी है। भगवानपुर प्रधान ने करवाचौथ का व्रत रखा था। रात में चांद देखने के लिए ग्राम प्रधान के साथ पति सत्य प्रकाश सोनी और बेटा छत पर थे। चांद नजर आते ही सत्य प्रकाश ने खुशी में लाइसेंसी रिवॉल्वर से फायरिंग कर दी।

25 अक्टूबर को टकराएगा साइक्लोन दाना

- ओडिशा में बारिश शुरू
- 13kmph से आगे बढ़ रहा
- 500 किमी दूर
- 25 अक्टूबर को टकराएगा
- 348 ट्रेनें रद्द
- 10 लाख लोग शिफ्ट

पुरी. अंडमान सागर से उठा चक्रवाती तूफान 'दाना' बंगाल की खाड़ी की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। तूफान का बहारी हिस्सा ओडिशा के तट तक पहुंच चुका है। इसकी वजह से भद्रक जिले में बारिश शुरू हो गई है। तूफान फिलहाल 500 किमी दूर है। यह 13kmph से आगे बढ़ रहा है। साइक्लोन 25 अक्टूबर की सुबह ओडिशा के पुरी से करीब 200 किमी दूर भितरकनिका नेशनल पार्क और धामरा पोर्ट के बीच टकराएगा। इस दौरान 120 किमी/घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी।

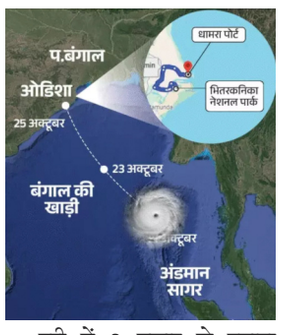

पुरी में 3 हजार से ज्यादा पर्यटकों को सुरक्षित घर भेज दिया गया है। होटल की बुकिंग चार दिन रोक दी गई है। ओडिशा में 14 जिलों के सभी स्कूल-कॉलेजों की 25 तक छुट्टी कर दी गई है। जबकि कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द हो गई हैं। ओडिशा में करीब 10 लाख लोगों को शिफ्ट किया जा रहा है। पुरी के जगन्नाथ मंदिर के पुजारी रामकृष्ण प्रतिहारी के मुताबिक इस दौरान मंदिर में होने वाले सभी पूजा विधान अपने समय पर होंगे। लेकिन, श्रद्धालुओं से 25 अक्टूबर तक नहीं आने की विनती की गई है। तूफान का बंगाल में भी असर दिखेगा। ओडिशा में 150 तो बंगाल में 198 ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। सरकार ने दीघा, पूर्वी मेदिनीपुर और दक्षिण 24 परगना जिलों से करीब डेढ़ लाख लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया है।

प्रियंका ने वायनाड लोकसभा सीट से नामांकन भरा

- बोलीं- 35 साल पिता, मां, भाई के लिए कैंपेन किया
- पहली बार अपने लिए समर्थन मांग रही

वायनाड. कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने रोड शो के बाद वायनाड लोकसभा सीट से नामांकन दाखिल कर दिया है। इस दौरान उनके साथ भाई राहुल गांधी, मां सोनिया गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी मौजूद रहे।

प्रियंका ने नामांकन से पहले कहा- जब मैं 17 साल की थी, तब मैंने पहली बार पिता के लिए 1989 में कैंपेन किया था। तब से इन 35 साल के दौरान मां, भाई के लिए वोट मांगें। अब पहली बार खुद के लिए समर्थन मांग रही हूं।

राहुल गांधी ने कहा कि वायनाड देश का ऐसा क्षेत्र है जहां से 2 सांसद हैं। एक आधिकारिक सांसद और दूसरा अनौपचारिक सांसद। दोनों वायनाड के लिए काम करेंगे।

प्रियंका गांधी पहली बार चुनाव लड़ रही हैं। भाजपा ने उनके खिलाफ नाव्या हरिदास को उतारा है। लोकसभा चुनाव 2024 में राहुल गांधी ने केरल की वायनाड और यूपी की रायबरेली लोकसभा सीट से जीत हासिल की थी। उन्होंने गांधी परिवार की पारंपरिक रायबरेली सीट को चुना और वायनाड छोड़ दी। यहां 13 नवंबर को वोटिंग होगी और 23 नवंबर को नतीजे आएंगे।

इंदौर में रेप के बाद नग्न घूमती रही पीड़ित

- सीसीटीवी फुटेज में महिला को ले जाता दिखा आरोपी
- पुलिस ने किया गिरफ्तार

इंदौर. इंदौर में मानसिक रूप से विक्षिप्त एक महिला से रेप का मामला सामने आया है। इसके बाद वह अर्धनग्न हालत में सड़कों पर घूमती नजर आई। इस मामले में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मंगलवार देर रात आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

ये घटना सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात करीब 2.30 से 3 बजे के बीच की सदर बाजार थाना क्षेत्र की नीलकंठ कॉलोनी की है। एडीसीपी जोन-1 आलोक शर्मा ने बताया कि सोमवार रात को 40 वर्षीय मानसिक रूप से विक्षिप्त महिला नीलकंठ कॉलोनी में घूम रही थी। अकेले घूमते देख यहां से गुजर रहा सोनू उर्फ साहिल सोनी (उम्र 20 साल) निवासी जनता कॉलोनी महिला को अपने साथ ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया।

घटना के बाद वह महिला को अकेला छोड़कर भाग गया। एडीसीपी ने बताया कि सोनू पेशे से हम्माल है। वह मूल रूप से सागर का रहने वाला है।

पुलिस को कुछ नहीं बता पाई महिला

दुष्कर्म के बाद महिला कॉलोनी में अर्द्धनग्न हालत में ही निकल गई। वह पूछताछ में पुलिस को भी जवाब नहीं दे पाई। पुलिस ने उसका मेडिकल परीक्षण कराया, जिसमें दुष्कर्म की पुष्टि हुई है। दूसरी ओर आरोपी सोनू सोनी ने भी दुष्कर्म की बात कबूली है। पुलिस ने आरोपी को बुधवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में इसकी तस्वीर भी सामने आई है। सुबह करीब 4 बजे सफाईकर्मियों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने खोजबीन की तो महिला करीब साढ़े 4 बजे एक गार्डन के पास बैठी मिली। जिसके बाद उसे कपड़े पहना गए और पूछताछ की। लेकिन वह कुछ नहीं बता सकी। इसके बाद उसे मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने दुष्कर्म की पुष्टि की।

कनाडा को उसी की भाषा में समझाएगा भारत

Five Eyes के पास जाने की तैयारी

कनाडा और भारत के रिश्ते तनावपूर्ण बने हुए हैं। इसी बीच अब खबर है कि भारत भी Five Eyes का रुख कर सकता है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि खालिस्तानियों की जानकारी के मामले में कनाडा से सहयोग नहीं मिलने का मुद्दा पांच देशों के समूह के सामने उठाया जा सकता है।

ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय जांच एजेंसियों की तरफ से कनाडा में बसे खालिस्तानी तत्वों की जानकारी मांगी जा रही है,

लेकिन खबर है कि इसे लेकर कनाडा खास सहयोगी साबित नहीं हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, अब कनाडा में बसे वॉन्टेड चरमपंथियों की सूची फाइव आइज देशों के साझा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। कनाडा के अलावा इस समूह में अणेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड शामिल है।

अखबार ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि सरकार Five Eyes देशों का रुख करने के साथ-साथ कई और उपायों पर भी विचार कर रही है। कहा जा रहा है कि कनाडा में बसे चरमपंथियों की सूची समूह को देकर भारत अब कनाडा पर दबाव बनाने की कोशिश में है। साथ ही सूत्रों ने बताया कि इसका मकसद कनाडा का असहयोगी रवैया भी उजागर करने का है।

अखबार को सूत्रों ने बताया कि इस विकल्प पर विचार किया जा रहा है कि और कूटनीतिक विवाद की आगे की स्थिति को देखते हुए अगला फैसला लिया जा सकता है। सूत्रों का यह भी कहना है कि इस कदम से भारत अन्य 4 देशों की मदद से कनाडा को यह दिखाने की भी योजना बना रहा है कि चरमपंथियों की जानकारी के पीछे का मकसद क्या है।

कनाडा से किसकी जानकारी चाहता है भारत

रिपोर्ट के अनुसार, खबरें हैं कि भारत कनाडा में बसे 8 चरमपंथी/गैंगस्टर्स की जानकारी चाहता है। ये वो नाम हैं जो खालिस्तानी, अलगाववाद से जुड़े हुए हैं। साथ ही इनके पाकिस्तान से तार जुड़े होने के भी आरोप हैं। अखबार के मुताबिक, लिस्ट में संदीप सिंह सिद्धू, अर्शदीप सिंह गिल और लखबीर सिंह का नाम शामिल है।

महाराष्ट्र चुनाव से पहले मणिपुर में मुख्यमंत्री बदलने की चर्चा

- 2 दिन में भाजपा घोषणा कर सकती है
- 19 विधायकों ने PM से मांग की थी

आखिर 540 दिन की अशांति के बाद मणिपुर में सरकार का नेतृत्व बदलने की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। चर्चा है कि महाराष्ट्र में चुनाव अभियान शुरू होने से पहले भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व मणिपुर में लीडरशिप बदलने का फैसला ले सकता है।

वर्तमान मुख्यमंत्री एन.बीरेन सिंह को लेकर मैतेई विधायक दो खेमों में बंट गए हैं। हाल ही में 19 भाजपा विधायकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखी थी। उसी के बाद इंफाल से लेकर दिल्ली तक कार्यवाही शुरू हो चुकी है। राज्य में भाजपा के 32 विधायक हैं, इन्हीं में से 19 केंद्रीय नेतृत्व को स्पष्ट कर चुके हैं कि बीरेन को हटाए बिना शांति नहीं आ सकती। पार्टी नेतृत्व ने इसे गंभीरता से लिया है और बीरेन और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शारदा देवी को बुलाया है। दोनों अभी दिल्ली में हैं। अगले दो-तीन दिन में फैसला हो सकता है।

अगले CM के लिए 4 नामों पर चर्चा हो रही है। इसमें विधानसभा अध्यक्ष सत्यव्रत सिंह का नाम सबसे ऊपर है।

बारिश से 7 मंजिला इमारत ढही, 7 मौतें

- डिप्टी CM बोले- प्रकृति को नहीं रोक सकते
- JDS बोली- कांग्रेस ने दुर्दशा कर डाली

बेंगलुरु. कर्नाटक में भारी बारिश के कारण बेंगलुरु में 22 अक्टूबर को एक अंडरकंस्ट्रक्शन इमारत ढह गई। बाबूसापाल्या इलाके में इमारत ढहने के बाद छह और शव बरामद किए गए हैं। इसके बाद हादसे में मरने वालों की संख्या सात हो गई है। मलबे में 21 लोग फंसे हुए थे, 22 अक्टूबर की रात एक मजदूर का शव मिला था। 13 मजदूर बचा लिए गए हैं और छह घायल हैं।

एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया- भवन रेड्डी, जिनके नाम से बिल्डिंग बनाई जा रही थी और ठेकेदार मुनियप्पा को हिरासत में ले लिया गया है। अधिकारी ने बताया कि बिल्डिंग में सिर्फ चार मंजिलें बनाने की इजाजत थी लेकिन लेकिन सात मंजिलों बनाई जा रही थीं।

NDRF की टीम ने मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए रातभर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। बुधवार सुबह डॉग स्क्वॉड की टीम को भी बुलाया गया। मलबा हटाने के लिए टीम ने बड़ी मशीनें भी मंगवाई हैं।

कर्नाटक में इस मुद्दे पर सियायत शुरू हो गई है। विपक्षी दल JDS ने कांग्रेस पर बेंगलुरु की दुर्दशा करने का आरोप लगाया है। डिप्टी CM डीके शिवकुमार ने कहा आपने देखा होगा कि दुबई और दिल्ली में क्या हो रहा है। देश के कई हिस्सों में ऐसी ही स्थिति है। हम प्रकृति को रोक नहीं सकते, लेकिन हम मैनेज कर रहे हैं।

विमान धमकियों के मामले में सरकार का X-मेटा से सवाल

विमानों को बम धमकियों के मामले में बुधवार को आईटी मिनिस्ट्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X, मेटा और एयरलाइन कंपनियों के साथ वर्चुअल मीटिंग की। सरकार ने पूछा कि आपने इन खतरनाक अफवाहों को फैलने से रोकने के लिए क्या किया। जो हालात हैं, उनसे जाहिर होता है कि आप जुर्म को बढ़ावा दे रहे थे।

मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से इस मीटिंग के बारे में जानकारी दी गई है। पिछले 9 दिनों में ही 170 से ज्यादा विमानों को धमकियां दी गई हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, धमकियों के चलते एविएशन सेक्टर को करीब 600 करोड़ का नुकसान हो चुका है।

देश में यात्री विमानों को मिल रही धमकी का सिलसिला लगातार जारी है। मंगलवार को भी 50 से ज्यादा फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी।

बाबा सिद्दीकी मर्डर-लॉरेंस के भाई के संपर्क में थे आरोपी

- हत्या से पहले प्रैक्टिस की
- रायगढ़ के जंगल में एक पेड़ पर 5-10 फायर किए थे

मुंबई. महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या में शामिल शूटरों ने उन पर हमला करने से पहले कम से कम पांच बार शूटिंग की प्रैक्टिस की थी। मुंबई पुलिस ने बताया कि शूटरों ने करजत-खोपोली रोड के पास एक जंगल में निशानेबाजी का अभ्यास भी किया था।

पुलिस के मुताबिक, शूटरों ने बाबा सिद्दीकी को निशाना बनाने से पहले रायगढ़ जिले में एक झरने के पास पेड़ पर गोली चलाने की

प्रैक्टिस की थी। आरोपियों ने प्रैक्टिस के दौरान पेड़ पर पांच से दस गोलियां चलाईं। ये प्रैक्टिस शूटर्स ने इस साल सितंबर में की थी।

12 अक्टूबर की रात को बाबा सिद्दीकी की उनके बेटे जीशान के ऑफिस के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्या की जिम्मेदारी गैंगस्टर लॉरेंस गैंग ने ली है। गैंग ने बाबा के मर्डर का कारण बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान को बताया था। 20 अक्टूबर को सलमान को भी ईमेल के जरिए जान से मारने की धमकी दी गई।

इस बीच, मुंबई क्राइम ब्रांच ने बताया कि 3 संदिग्ध शूटरों ने मर्डर से पहले लॉरेंस बिश्नोई के छोटे भाई अनमोल बिश्नोई से बात की थी। ये बात स्नैपचैट के जरिए की गई थी। अनमोल आरोपियों से अमेरिका और कनाडा से कॉन्टैक्ट में था। आरोपियों के पास से चार मोबाइल फोन जब्त किए गए थे।

कोलकाता केस : ममता सरकार ने टास्क फोर्स बनाई

- चीफ सेक्रेटरी मनोज पंत अध्यक्ष होंगे
- डॉक्टर्स की तरफ से दो प्रतिनिधि भी इसका हिस्सा होंगे

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने मंगलवार को राज्य स्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया है, जो राज्य में डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ सर्विस की क्वालिटी में भी सुधार करेगी। सरकार ने एक नोटिफिकेशन में इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हड़ताल कर रहे जूनियर डॉक्टरों से इस टास्क फोर्स के गठन का वादा किया था।

चीफ सेक्रेटरी मनोज पंत इस टास्क फोर्स के अध्यक्ष होंगे। होम सेक्रेटरी नंदिनी चक्रवर्ती,

डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (DGP) राजीव कुमार, हेल्थ सेक्रेटरी एनएस निगम और कोलकाता पुलिस कमिश्नर मनोज वर्मा इसका हिस्सा होंगे। इस टास्क फोर्स में सीनियर और जूनियर रेसिडेंट डॉक्टर्स से दो प्रतिनिधि, स्टूडेंट्स की तरफ से एक महिला प्रतिनिधि और स्टेट लेवल कम्प्लेंट रिजॉल्यूशन कमेटी से एक प्रतिनिधि होगा।

17वें दिन खत्म हुई जूनियर डॉक्टर्स की भूख हड़ताल

कोलकाता में महिला डॉक्टर्स से रेप और उसकी हत्या के विरोध में जारी जूनियर डॉक्टर्स की भूख हड़ताल सोमवार (21 अक्टूबर) को खत्म हुई। ये हड़ताल का 17वां दिन था। इसके साथ ही डॉक्टरों ने मंगलवार को होने वाली हेल्थ स्ट्राइक भी वापस ले ली।

ICC टेस्ट रैंकिंग में पंत छठे स्थान पर

- टॉप-10 में विराट और जायसवाल भी
- बॉलर्स रैंकिंग में बुमराह नंबर-1 पर बरकरार

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ICC की ताजा टेस्ट रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में शानदार बल्लेबाजी का फायदा हुआ है। उन्होंने 3 स्थान की छलांग लगाई है। पंत ने रैंकिंग में विराट कोहली को पीछे छोड़ दिया है। विराट को एक पायदान का नुकसान हुआ है। वे बेंगलुरु टेस्ट की पहली पारी में शून्य के स्कोर पर आउट हुए थे। रैंकिंग में विराट 8वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं यशस्वी जायसवाल नंबर 4 पर कायम है।

पंत को मिला तीन स्थानों का उछाल

पंत की ने तीन स्थान की छलांग लगाई है। वे अब 745 की रेटिंग के साथ नंबर 6 पर पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को एक स्थान का नुकसान हुआ है। वे अब 728 की रेटिंग के साथ नंबर 7 पर चले गए हैं। कोहली को एक स्थान का नुकसान हुआ है। वे अब 720 की रेटिंग के साथ नंबर आठ पर चले गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन की रेटिंग भी 720 की है, इसलिए वे भी कोहली के साथ संयुक्त रूप से नंबर 8 पर हैं। श्रीलंका के कमिंदु मेंडिस को अपने अच्छे प्रदर्शन का फायदा मिला है। वे अब 716 की रेटिंग के साथ नंबर 10 पर पहुंच गए हैं। उन्हें एक स्थान का फायदा मिला है। इंग्लैंड के बेन डकेट टॉप 10 के काफी करीब हैं। उन्होंने तीन स्थानों की छलांग के साथ नंबर 11 पर पहुंच गए है। उनकी रेटिंग 706 की है।

यशस्वी जायसवाल भी चौथे पायदान पर बरकरार

टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल अब 780 की रेटिंग के साथ नंबर 4 पर बने हुए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ उनकी परफॉरमेंस मिली-जुली रही। स्टीव स्मिथ भी 757 की रेटिंग के साथ नंबर 5 पर बने हुए हैं।

दिल्ली की जामिया यूनिवर्सिटी में 2 गुटों के बीच झड़प

नई दिल्ली. दिल्ली के जामिया मीलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी में मंगलवार को दिवाली के कार्यक्रम के दौरान दो गुटों में झड़प हो गई। चश्मदीदों ने बताया कि झड़प के दौरान कुछ स्टूडेंट ने फिलिस्तीन के समर्थन के नारे भी लगाए। उन्होंने महिला स्टूडेंट पर अभद्र टिप्पणियां कीं। घायल हुए छात्रों को देर रात अस्पताल पहुंचाया गया। DCP रवि कुमार सिंह ने बताया कि यूनिवर्सिटी के कॉलेज दिवाली की छुट्टियों के लिए बंद हो रहे हैं, इसलिए मंगलवार शाम करीब साढ़े 6 बजे सेलिब्रेशन रखा गया था। इस दौरान स्टूडेंट के एक गुट ने नारेबाजी और हंगामा करना शुरू किया। इसके जवाब में दूसरे गुट ने भी नारेबाजी की।

इसके बाद मामला मारपीट तक पहुंच गया। झड़प की जानकारी लगते ही हम मौके पर पहुंचे और स्टूडेंट को समझाकर सिचुएशन को काबू में लाया गया। तनाव की स्थिति को देखते हुए बुधवार सुबह भी यूनिवर्सिटी में भारी पुलिस बल तैनात है।

एक चश्मदीद स्टूडेंट ने दावा किया कि बाहर से आए कुछ लोगों ने महिला छात्रों के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां कीं।

उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर

स्वातंत्र्याचा अमृत महोत्सव

जाहिर सूचना

जनहित याचिका क्रमांक १७३/२०१० यासंदर्भात मा. उच्च न्यायालयाने दिनांक १०.११,१२ व दिनांक १६.०८.२०१६ रोजी दिलेल्या आदेशानुसार ध्वनीप्रदुषण नियम २००० मधील नियम ७ नुसार महापालिका क्षेत्रात ध्वनीप्रदुषण नियमांच्या उल्लंघनाबाबत तक्रारी संदर्भात तसेच मोठे सार्वजनिक सण, उत्सवांच्यावेळी रस्त्यावर, पदपथावर उभारण्यात येणा-या तात्पुरत्या मंडपासंदर्भात प्राप्त परवानगी पत्रातील अटींच्या उल्लंघनाबाबत उचित कार्यवाही होण्यासाठी खालीलप्रमाणे महापालिकेच्या प्रभाग समिती स्तरावर समिती गठीत करण्यात आलेली आहे.

अ. क्र.	अधिकारी/पदाधिकारी	समितीतील पद	प्रभाग समिती	संपर्क क्रमांक
१	संबधित सहायक आयुक्त तथा प्रभाग अधिकारी	अध्यक्ष	१ २ ३ ४	०२५१-२७२०१३९ ०२५१-२७२१००८ ०२५१-२७२०१९३ ०२५१-२७२१०२७
२	संबधित प्रभागातील पोलिस स्टेशनचे वरिष्ठ पोलिस निरीक्षक.	सदस्य	-	-
३	संबधित प्रभागातील वाहतुक निरीक्षक.	सदस्य	-	-
४	संबधित प्रभागातील कनिष्ठ अभियंता (सार्वजनिक बांधकाम विभाग)	सदस्य	-	-

त्या अनुषंगाने शहरातील नागरीकांना सूचित करण्यात येते की, उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्रात विनापरवानगी/अनधिकृत मंडप/स्टेज व तत्सम रचना उभारल्याचे निदर्शनास आल्यास संबंधित सहायक आयुक्त तथा अध्यक्ष, प्रभाग समिती क्र. १ ते ४, यांचेकडे वरील नमुद केलेल्या दुरध्वनी क्रमांकावर आपली तक्रारीची नोंद करावी.

तसेच यापुढे उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्रात मोठे सार्वजनिक सण, उत्सवांच्यावेळी रस्त्यावर, पदपथावर विनापरवानगी/अनधिकृत मंडप/स्टेज व तत्सम रचना उभारण्यात येऊ नये. विनापरवानगी/अनधिकृत मंडप/स्टेज व तत्सम रचना उभारल्यास संबंधितावरुध्द जनहित याचिका क्रमांक १७३/२०१० यासंदर्भात मा. उच्च न्यायालयाने दिनांक १०.११,१२ व दिनांक १६.०८.२०१६ रोजी दिलेल्या आदेशानुसार कायदेशिर कारवाई करण्यात येइल याची शहरातील नागरीकांनी नोंद घ्यावी.

दिनांकः २३ ऑक्टोबर, २०२४.
जा.क्र. उमपा/पीआरओ /४१३/२०२४,
दिनांकः २३/१०/२०२४.

सही/-
(जमीर लेंगरेकर)
अतिरिक्त आयुक्त (१)
उल्हासनगर महानगरपालिका

संक्षेप...

दामाद ने ससुराल के घर में लगाई आग

भिवंडी. नदी नाका क्षेत्र में एक युवक ने गुस्सा में आकर अपने ससुराल के घर को पेट्रोल डालकर आग के हवाले कर दिया. शब्बीर अब्बास अंसारी के दामाद अहमद दिलावर खान ने ससुराल का घर जलाने के इरादे से आग लगा दी. आग की लपटों ने कपाट, बर्तन, पलंग, खाने का राशन, कपड़े और यहां तक कि सीमेंट की छत को भी अपनी चपेट में ले लिया.घर में रखे महत्वपूर्ण दस्तावेज भी पूरी तरह से जलकर नष्ट हो गए.घर मालिक अहमद दिलावर का ससुर शब्बीर अंसारी हादसे के बाद सदमे में हैं.घटना के बाद निजामपुर पुलिस ने अहमद दिलावर खान के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 115(2), 352, 351(2), और 326(ग) के तहत केस दर्ज कर लिया है.

बाल सुधार गृह में नाबालिग बच्चे के साथ दुर्व्यवहार

मुंबई. डोंगरी पुलिस को शिकायत मिली है कि बाल सुधार गृह में 17 साल के एक लड़के के साथ छेड़छाड़ की गई है. शिकायत में कहा गया है कि इस बार 16 वर्षीय लड़के ने पीड़िता के मुंह में सफेद पाउडर भी डाल दिया। पीड़ित को हाल ही में विमानों में बम की धमकी देने के आरोप में हिरासत में लिया गया था। शिकायत के मुताबिक, यह घटना डोंगरी स्थित बाल निगरानी केंद्र के शौचालय में हुई. सोमवार को आरोपी ने पीड़ित के मुंह में 10 से ज्यादा गोलियां या पाउडर डाल दिया और फिर उसे प्रताड़ित किया.

MVA में सीट शेयरिंग तय

कांग्रेस 100-105, शिवसेना उद्धव 96-100, NCP शरद 80-85 सीटों पर लड़ेगी

24 अक्टूबर को होगा ऐलान

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के लिए राज्य की 288 सीटों के लिए महाविकास अघाड़ी (MVA) के बीच सीट शेयरिंग तय हो गई है। करीब 4 घंटे तीनों पार्टियों के नेताओं की बैठक चली।

बैठक के बाद शिवसेना उद्धव के नेता संजय राउत ने कहा- MVA में सीट शेयरिंग फाइनल हो चुका है। अब कोई और मीटिंग नहीं होगी। बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके शीट शेयरिंग का ऐलान करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक,MVA में लोकसभा चुनाव के रिजल्ट को आधार बनाकर विधानसभा चुनाव में सीट शेयरिंग तय की गई है। इसमें कांग्रेस 100-105, शिवसेना उद्धव 96-100 और एनसीपी शरद 80-85 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। अन्य दलों को 3-6 सीटें मिल सकती हैं।

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को सिंगल फेज में वोटिंग होगी। रिजल्ट 23 नवंबर को आएगा। राज्य की विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को खत्म हो रहा है।

सीट शेयरिंग फाइनल होने से पहले सोमवार को शिवसेना (UBT) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा था कि MVA में 288 विधानसभा सीटों में से 210 पर सहमति बन गई है।

शिवसेना की पहली लिस्ट - 45 नाम

क्र.	विधानसभा	उम्मीदवार
1	कोपरी पाचपाखाडी	एकनाथ शिंदे
2	साक्री	मंजूलाताई गावित
3	चोपडा	चंद्रकांत सोनावणे
4	जलगांव ग्रामीण	गुलाबराव रघुनाथ पाटील
5	एरंडोल	अमोल चिमणराव पाटील
6	पाचोरा	किशोर धनसिंग पाटील
7	मुक्ताईनगर	चंद्रकांत निंबा पाटील
8	मेहकर	डॉ. संजय भास्कर रायमुलकर
9	बुलढाणा	संजय रामभाऊ गायकवाड़
10	दर्यापुर	अभिजीत आनंदराव अडसूल
11	रामटेक	आशिष नंदकिशोर जैस्वाल
12	भंडारा	नरेंद्र भोजराज भोंडेकर
13	दिग्रस	संजय दुलीचंद राठोड़
14	नांदेड उत्तर	बालाजी देविदासराव कल्याणकर
15	कलमनुरी	संतोष लक्ष्मणराव बांगर
16	जालना	अर्जुन पंडितराव खोतकर
17	सिल्लोड	अब्दुल सत्तार अब्दुल नबी
18	संभाजीनगर मध्य	प्रदीप शिवनारायण जैस्वाल
19	संभाजीनगर वेस्ट	संजय पांडूरंग शिरसाट
20	पैठण	विलास संदिपान भूमरे
21	वैजापुर	रमेश नानासाहेब बोरनारे
22	नांदगाव	सुहास द्वारकानाथ कांदे
23	मालेगाव बाहरी	दादाजी दगडूजी भुसे
24	ओवला माजीवड़ा	प्रताप बाबूराव सरनाईक
25	मागाठाणे	प्रकाश राजाराम सुर्वे
26	जोगेश्वरी ईस्ट	मनीषा रविंद्र वायकर
27	चांदिवली	दिलीप भाउसाहेब लांडे
28	कुर्ला	मंगेश अनंत कुडालकर
29	माहिम	सदा शंकर सरवणकर
30	भायखला	यामिनी यशवंत जाधव
31	कर्जत	महेंद्र सदाशिव थोरवे
32	अलीबाग	महेंद्र हरी दलवी
33	महाड	भरतशेठ मारुती गोगावले
34	उमरगा	ज्ञानराज धोंडीराम चौगुले
35	परांडा	डॉ. तानाजी जयवंत सावंत
36	सांगोला	शहाजी बापू राजाराम पाटील
37	कोरेगांव	महेश संभाजीराजे शिंदे
38	पाटण	शंभूराज शिवाजीराज देसाई
39	दापोली	योगेश रामदास कदम
40	रत्नागिरी	उदय रविंद्र सामंत
41	राजापुर	किरण रविंद्र सामंत
42	सावंतवाडी	दीपक वसंतराव केसरकर
43	राधानगरी	प्रकाश आनंदराव आबिटकर
44	करविर	चंद्रदीप शशिकांत नरके
45	खानापुर	सुहास अनिल बाबर

गांजा बरामद

भिवंडी. नारपोली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर जाल बिछाकर मानकोली उड़ान पुल के नीचे से गांजा विक्री में लिप्त 3 लोगों को मिथुन सुनिल आचार्या (34) निवासी उड़ीसा, आमीन मोहम्मद आलम (21) निवासी मानखुर्द और शंकरण निवासी आंध्र प्रदेश को गिरफ्तार किया. पुलिस ने उनके पास से 1लाख 59 हजार 720 रुपये का गांजा बरामद किया है. गिरफ्तार किए गए तस्करों के खिलाफ एन.डी.पी.एस.एक्ट की धाराएं 8(क), 20(ब) और 29 के तहत मामला दर्ज किया गया है.मामले की आगे की जांच पुलिस उप-निरीक्षक बी.एस.नवले द्वारा की जा रही है.

NCP अजित गुट की पहली लिस्ट जारी

38 कैंडिडेट के नाम

मुंबई. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को NCP अजित पवार गुट ने पहली लिस्ट जारी की। इसमें 38 कैंडिडेट्स के नाम हैं। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार बारामती से चुनाव लड़ेंगे। यह बारामती लोकसभा सीट के अंतर्गत आती है।

बारामती लोकसभा सीट शरद पवार की पारंपरिक सीट रही है। यहां से इस बार उनकी बेटी सुप्रिया सुले जीती थीं। सुप्रिया ने लोकसभा चुनाव में अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को हराया था।

महायुति ने अब तक 182 नाम की घोषणा की है। इसमें भाजपा के 99, शिवसेना (शिंदे गुट) के 45 और अजित गुट के 38 कैंडिडेट के नाम शामिल हैं।

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को वोटिंग और 23 नवंबर को नतीजे आएंगे। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर 2024 को खत्म हो रहा है। महाराष्ट्र में महायुति यानी शिवसेना (शिंदे गुट), भाजपा और NCP अजित पवार गुट की सरकार है। एंटी इन्कम्बेंसी और 6 बड़ी पार्टियों के बीच बंटने वाले वोट को साधना पार्टी के लिए बड़ी चुनौती होगी।

NCP (AP) की पहली लिस्ट - 38 नाम

क्र.	विधानसभा	उम्मीदवार	क्र.	विधानसभा	उम्मीदवार
1	बारामती	अजित पवार	20	पिंपरी	अन्ना बंसोडे
2	येवला	छगन भुजबल	21	कलवण	नितिन पँवार
3	अंबेगांव	दिलीप वलसे-पाटिल	22	कोपरगांव	आशुतोष काले
4	कागल	हसन मुश्रीफ	23	अकोले	डॉ. किरण लाहमटे
5	परली	धनंजय मुंडे	24	बसमत	चंद्रकांत उर्फ राजू नवघरे
6	डिंडौरी	नरहरि जिरवल	25	चिपलून	शेखर निकम
7	अहेरी	धर्मराव बाबा अत्राम	26	मावल	सुनील शेलके
8	श्रीवर्धन	अदिति तटकरे	27	जुन्नर	अतुल बेंके
9	अमलनेर	अनिल भाईदास पाटिल	28	मोहोल	यशवंत विठ्ठल माने
10	उदगीर	संजय बनसोडे	29	हडपसर	चेतन तुपे
11	अर्जुनी मोरगांव	राजकुमार बडोले	30	देवलाली	सरोज अहिरे
12	माजलगांव	प्रकाश दादा सोलंके	31	चांदगढ़	राजेश पाटिल
13	वाई	मकरंद पाटिल	32	इगतपुरी	हिरामन खोसकर
14	सिन्नर	माणिकराव कोकाटे	33	तुमसर	राजू कारेमोरे
15	खेद आलंदी	दिलीप मोहिते	34	पुसद	इंद्रनील नाइक
16	अहमदनगर शहर	संग्राम जगताप	35	अमरावती शहर	सुलभा खोडके
17	इंदापुर	दत्तात्रय भराव	36	नवापुर	भरत ग्राम
18	अहमदपुर	बाबासाहेब पाटिल	37	पठारी	निर्मला उत्तमराव विटेकर
19	शाहपुर	दौलत दरोडा	38	मुंब्रा-कलवा	नजीब मुल्ला

डोंबिवली प्लेटफॉर्म 5 पर छत का निर्माण शुरू

बारिश में खड़े यात्रियों की परेशानी हो जायेगी खत्म

डोंबिवली. रेलवे प्रशासन ने डोंबिवली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर पांच के लाइट साइड पर विस्तारित प्लेटफॉर्म के क्षेत्र में छत का निर्माण शुरू कर दिया है। पिछले दो वर्षों से इस विस्तारित प्लेटफार्म क्षेत्र में छत नहीं होने के कारण यात्रियों को गर्मी और बरसात के दिनों में परेशानी होती थी। इस छत का काम पूरा होने के बाद यात्रियों को राहत मिलेगी।

तीन साल पहले डोंबिवली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर पांच पर 15 कोच वाली लोकल को खड़ा करने के लिए प्लेटफॉर्म को लाइट की तरफ बढ़ाया गया था। इस विस्तारित प्लेटफार्म पर 15 कोच, 12 कोच की लोकल खड़ी होने लगी। तीन लोकल डिब्बे बिना छत वाले प्लेटफार्म पर आ रहे थे। विस्तारित प्लेटफार्म क्षेत्र में छत नहीं होने के कारण यात्रियों को गर्मी और बारिश में खड़े होकर लोकल पकड़नी पड़ती थी।

सुबह के व्यस्त समय में बारिश होने पर यात्रियों को बिना छत वाले इलाके से लोकल में चढ़ने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। पास में छाता होने के बावजूद भी यात्रियों को भीगना पड़ रहा था। यात्रियों को 15 कोच की लोकल सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। मंच को चौड़ा किया गया. लेकिन प्लेटफार्म पर छत नहीं होने से यात्रियों में भारी नाराजगी थी.

इसे लेकर सबअर्बन रेलवे फेडरेशन की अध्यक्ष लता अरगड़े ने समय-समय पर रेलवे अधिकारियों के साथ बैठक में डोंबिवली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर पांच पर छत का मुद्दा उठाया और प्लेटफॉर्म पर छत लगाने पर जोर दिया. कई यात्रियों ने इसकी शिकायत रेलवे अधिकारियों से व्यक्तिगत तौर पर की थी.

महिला डिब्बे, कार्गो डिब्बे बिना छत वाले क्षेत्र में आ रहे थे। इससे सबसे ज्यादा परेशानी महिला यात्रियों को हुई. कंटेनर से माल उतारने के बाद बारिश हो गई तो व्यापारियों को परेशानी हुई। गर्मी के दिनों में यात्रियों को ढके हुए क्षेत्र में खड़े होकर दूर से लोकल को देखना पड़ता था और फिर लोकल पकड़ने के लिए बिना छत वाले क्षेत्र में आना पड़ता था। बरसात के मौसम में ऐसी स्थिति थी. इस छिपाव से यात्रियों को परेशानी होती है। यात्रियों की बढ़ती संख्या के कारण रेलवे यात्री संघ ने आखिरकार रेलवे प्रशासन ने डोंबिवली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर पांच पर छत बनाने का फैसला किया। यह काम अब शुरू कर दिया गया है.

यह कार्य छह माह पहले स्वीकृत हुआ था। लेकिन, मॉनसून के दौरान ये काम करने में जोखिम था. बारिश कम होने के कारण छत निर्माण का कार्य शुरू हो गया है। रेलवे के एक इंजीनियर ने बताया कि प्लेटफॉर्म संख्या पांच पर भीड़ और प्लेटफॉर्म के संकरे हिस्से को देखते हुए छत का निर्माण रात में पूरा होने की संभावना है.

सरकारी राशन का चावल काले बाजार में बेचने की कोशिश नाकाम

भिवंडी. अंजुरफाटा स्थित राष्ट्रीय खाद्य निगम के गोदाम से सरकारी राशन के तौर पर मिलने वाला 12 टन चावल काले बाजार में बेचने की कोशिश नाकाम कर दी गई.मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ट्रक का पीछा कर वासेरे गांव में विक्री के लिए उतारे जा रहे चावल को जब्त किया. पुलिस को सूचना मिली थी कि ट्रक का चालक आशीष रमेश जगताप, चावल को कल्याण के शिधा वितरण केंद्र की बजाय काले बाजार में बेचने की फिराक में है.चालक ने अपने ट्रक का जीपीएस सिस्टम बदलकर ट्रक को राजनोली नाका के रास्ते मुंबई-नासिक हाईवे की ओर मोड़ दिया था.खड़कपाड़ा पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए ट्रक का पीछा कर उसे भादाणे स्थित जय आनंद फूड इंडस्ट्रीज के गोदाम में पकड़ लिया. ट्रक से 240 बोरियों में भरे 12,000 किलो चावल उतारे जा रहे थे, जिनकी बाजार कीमत करीब 4.80 लाख रुपये आंकी गई है.पुलिस ने चालक को हिरासत में लेकर जय आनंद फूड इंडस्ट्रीज के गोदाम को सील कर दिया है.शिधा वितरण विभाग के अधिकारियों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच जारी है.

1.75 हजार की बिजली चोरी उजागर

भिवंडी. टोरेंट पॉवर कंपनी की विजिलेंस टीम ने तीन बत्ती कोटर गेट परिसर स्थित मकान में बिजली चोरी पकड़ी.बिजली उपभोक्ता सबीना मोहम्मद अकील मोमिन व अकील मोमिन के खिलाफ बिजली चोरी का केस दर्ज किया गया है.दोनों पर आरोप है कि इन्होंने अपने घर पर अवैध कनेक्शन जोड़कर बिजली चोरी की.

मिली जानकारी के अनुसार, बिजली विभाग के सहायक प्रबंधक पुष्पोत्तम प्रदीप पांडे व उनकी टीम ने भिवंडी के कोटरगेट इलाके में गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की.छापेमारी के दौरान बिजली मीटर से छेड़छाड़ कर अवैध रूप से 1लाख 75 हजार 472 रुपये की बिजली की चोरी पकड़ी गई.टोरेंट पॉवर कंपनी के अधिकारियों द्वारा पकड़ी गई बिजली चोरी के बाद, आरोपी अकील और सबीना के खिलाफ विज अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत केस किया गया है.

ठाणे में जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए एक महीने का लंबा इंतजार

नई व्यवस्था में नागरिकों को तकनीकी दिक्कत

ठाणे. केंद्र सरकार ने चार महीने पहले पुरानी नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस पोर्टल) वेबसाइट को बंद कर दिया है और इसे अपडेट किया है, लेकिन इस वेबसाइट में तकनीकी समस्याओं के कारण नागरिकों को ठाणे में जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए एक महीने तक इंतजार करना होगा। नागरिकों को चक्कर लगाने के बाद भी प्रमाण पत्र नहीं मिल पा रहा है, जिससे नगर निगम प्रशासन को नागरिकों के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है.

राज्य में स्थानीय निकायों से जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र ऑनलाइन जारी किये जाते हैं। इसके लिए केंद्र सरकार की नागरिक पंजीकरण प्रणाली (सीआरएस पोर्टल) का इस्तेमाल किया गया। जबकि प्रमाणपत्र जारी करना पिछले कुछ वर्षों से सुचारू रूप से चल रहा है, केंद्र सरकार ने सिस्टम को अपडेट करने का फैसला किया और 20 जून को वेबसाइट बंद कर दी। वेबसाइट को जुलाई के पहले सप्ताह में अद्यतन और चालू कर दिया गया था। इस वेबसाइट की कार्यप्रणाली के संबंध में नगर पालिका के जन्म एवं मृत्यु विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण के बाद उम्मीद थी कि नयी व्यवस्था से प्रमाणपत्र जारी करने का काम सुचारु रूप से शुरू हो जायेगा. लेकिन पिछले चार माह से तकनीकी दिक्कतों के कारण नगर निगम प्रशासन के लिए नागरिकों को एक निश्चित समय सीमा के अंदर जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करना संभव नहीं हो पा रहा है. नागरिकों को प्रमाण पत्र के लिए बार-बार चक्कर लगाना पड़ रहा है, इसके बाद भी उन्हें प्रमाण पत्र नहीं मिल पा रहा है। जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए नागरिकों को एक माह तक इंतजार करना पड़ता है।

मिल रही धमकियों के बाद भी दुबई जाएंगे सलमान

- 7 दिसंबर को होगा 'दबंग रीलोडेड' टूर
- टाइट सिक्योरिटी के बीच काम कर रहे एक्टर

गैंगस्टर लॉरेंस और उसकी गैंग से लगातार मिल रही धमकियों के बीच सलमान ने एक बार फिर काम शुरू किया है। एक्टर इन दिनों रियलिटी शो 'बिग बॉस 18' की शूटिंग में बिजी हैं।

सुनने में आया है कि सलमान जल्द ही इंटरनेशनल शो 'दबंग रीलोडेड' के लिए दुबई जाने वाले हैं। यह शो इसी साल 7 दिसंबर को होगा।

जैकलीन-सोनाक्षी समेत ये सेलेब्स होंगे साथ

एक रिपोर्ट की मानें तो 'दबंग रीलोडेड' में सलमान के साथ जैकलीन फर्नांडीज, सोनाक्षी सिन्हा, सुनील ग्रोवर, मनीष पॉल और आस्था गिल जैसे सेलेब्स नजर आएंगे। इस इवेंट को जॉर्डी पटेल ने आयोजित किया है।

सलमान ने की 'सिंघम अगेन' की शूटिंग

वहीं रिपोर्ट्स की मानें तो सलमान ने हाल ही में भारी सुरक्षा के बीच अजय देवगन की फिल्म 'सिंघम अगेन' की शूटिंग भी कर ली है। इसमें वो चुलबुल पांडे के रोल में कैमियो करते नजर आएंगे।

बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद टाइट हुई सिक्योरिटी

बीते दिनों मुंबई में हुई पॉलिटिशियन और सलमान के खास दोस्त बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद एक्टर की सिक्योरिटी और टाइट कर दी गई है।

29 वर्षीय महिला से 13.54 लाख ठग लिए

मुंबई. पुलिस एक ऐसे ठग गिरोह की तलाश कर रही है, जिसने मैट्रिमोनियल वेबसाइट के जरिए 29 वर्षीय महिला से संपर्क किया और उससे 13.54 लाख रुपये ठग लिए।

पुलिस के मुताबिक, पीड़िता मुंब्रा, ठाणे की रहने वाली है। पीड़िता ने मैट्रिमोनियल वेबसाइट पर अपना प्रोफाइल बनाया था। उसे एक ऐसे व्यक्ति की प्रोफाइल से रिक्वेस्ट मिली थी, जिसने दावा किया था कि वह अमेरिका से है। दोनों ने अपने कॉन्टैक्ट नंबर एक्सचेंज किए और नियमित रूप से चैटिंग करने लगे। आरोपी ने पीड़िता से यह भी कहा कि वह जल्द ही भारत आएगा और उससे शादी करेगा। कुछ समय बाद, आरोपी ने पीड़िता से कहा कि उसने उसे सगाई की अंगूठी भेजी थी, जिसे कस्टम अधिकारियों ने जब्त कर लिया है।

इसके बाद जालसाज ने मुंबई के एक 'कस्टम अधिकारी' के बैंक खाते का विवरण दिया और उसे उक्त बैंक खाते में 2.19 लाख रुपए ट्रांसफर करने के लिए प्रेरित किया। उसने पीड़िता को यह भी बताया कि उसका युगांडा में हीरे और सोने का कारोबार है, जिसे वह अमेरिका में शिफ्ट करना चाहता है और इसके लिए उसे कस्टम शुल्क देना होगा। आरोपी पीड़िता से अलग-अलग बहाने बनाकर पैसे मांगता रहा और आश्वासन दिया कि वह भारत आने पर उसके सारे पैसे चुका देगा। समय के साथ, पीड़िता ने घोटालेबाजों द्वारा दिए गए विभिन्न लाभार्थी बैंक खातों में 13.54 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099